



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 565]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 30, 2017/आषाढ़ 9, 1939

No. 565]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 30, 2017/ASADHA 9, 1939

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2017

सं. 20/2017—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 734(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सेनवेट प्रत्यय नियम, 2004 को उन बातों के सिवाय अधिक्रांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेनवेट प्रत्यय नियम, 2017 है।

(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।

(3) ये 1 जुलाई, 2017 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम" से सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) अभिप्रेत है ;

(ख) "इलैक्ट्रानिक प्रत्यय खाता" से केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) की धारा 2 की उपधारा (46) में निर्दिष्ट इलैक्ट्रानिक प्रत्यय खाता अभिप्रेत है ;

(ग) "उत्पाद-शुल्क अधिनियम" से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) अभिप्रेत है ;

(घ) "छूट प्राप्त माल" से इस पर उद्बहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त उत्पाद योग्य माल अभिप्रेत है और इसमें वह माल सम्मिलित है जो शुल्क की "शून्य" दर से प्रभार्य है ;

(ङ) "अंतिम उत्पाद" इनपुट से विनिर्मित या उत्पादित उत्पाद योग्य माल से अभिप्रेत है ;

(च) "पहला चरण व्याहारी" से ऐसा व्याहारी अभिप्रेत है, जो निम्नलिखित सीधे माल क्रय करता है,—

(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के उपबंधों के निबंधनों में बीजक जारी के आच्छादन के अधीन विनिर्माता या उक्त विनिर्माता के डिपो से या उक्त विनिर्माता के डिपो से या किसी अन्य परिसर से जारी किया गया है या इस बीजक के अधीन इस ओर से जारी किया गया है जहां उक्त विनिर्माता की ओर से उसके द्वारा विक्रय किए गए और उसके बीजक के अन्तर्गत आते हैं ;

(ii) कोई आयातक या आयातक के डिपो से या पारेषण के परिसर से या आयातक के अभिकर्ता के पारेषण से बीजक के अधीन आच्छादित है ;

(छ) "इन पुट" से अंतिम उत्पाद के विनिर्माता द्वारा कारखाने में उपयोग किया गया उत्पाद योग्य अभिप्रेत है किन्तु इसमें पेट्रोल के नाम से सामान्यतः ज्ञात उच्चगति डीजल तेल या मोटर स्प्रीट अपवर्जित है ;

(ज) "जॉब कार्य" से कर्मकार के लिए कच्ची सामग्री या प्रदाय किए गए अर्ध अंतिम माल पर प्रसंस्करण या कार्यरत अभिप्रेत है, कोई वस्तु या प्रचालन विनिर्माण समापन के परिणामस्वरूप प्रक्रिया के भाग या संपूर्ण पूरा करने के बारे में जिसे उपयुक्त प्रक्रिया के लिए आवश्यक है और पद "जॉब कर्मकार" का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा ;

(झ) "अधिसूचना" से राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अभिप्रेत है ;

(ञ) "व्यक्ति" से केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) की धारा 2 की उपधारा (84) में निर्दिष्ट व्यक्ति अभिप्रेत है ;

(ट) "हटाने का स्थान" से निम्नलिखित अभिप्रेत है—

(i) उत्पाद योग्य माल का उत्पादन या विनिर्माण के कारखाना या किसी अन्य स्थान या परिसर ;

(ii) भांडागार या कोई अन्य स्थान या परिसर जिसमें शुल्क संदाय के बिना निक्षेपित किए जाने के लिए उत्पाद योग्य माल को अनुज्ञा दी गई है ;

(iii) डिपो, अभिकर्ता पारेषण के परिसर या कोई अन्य स्थान या परिसर से जहां कारखाने से उनकी निकासी के पश्चात् उत्पाद योग्य माल विक्रीत किए जाते हैं ;

(ठ) "दूसरा प्रक्रम व्याहारी" से ऐसा व्याहारी अभिप्रेत है जो पहले प्रक्रम व्याहारी से माल क्रय करता है ;

(2) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं किए गए हैं किन्तु उत्पाद-शुल्क अधिनियम में परिभाषित किए गए हैं वहीं अर्थ होंगे जो उत्पाद-शुल्क अधिनियम में उन्हें समनुदेशित किया गया है ।

3. केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय—(1) केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय (जिसे इसमें इसके पश्चात् सेनवेट प्रत्यय कहा गया है) के लिए विनिर्माता या निर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा जिसको—

(क) उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 के लिए चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क जो कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत उद्ग्रहणीय है ;

(ख) वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के अधीन उद्ग्रहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क ;

(ग) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के खंड (i) और खंड (ii) के अधीन विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क के समतुल्य अतिरिक्त शुल्क ;

(घ) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (5) के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क ;

(ड) वित्त अधिनियम, 2005 (2005 का 18) की धारा 85 के अधीन उद्बहणीय उत्पाद के अतिरिक्त शुल्क, पर संदत्त—

संख्या सा.का.नि. 547(अ), तारीख 25 मार्च, 1986 तारीख 25 मार्च, 1986 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सं. 214/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क में भारत सरकार की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट छूट का फायदा उपलब्धता जाँच कर्मकार द्वारा विनिर्माण मध्यवर्ती उत्पाद में उपयोग सम्मिलित करते हुए और नियत तारीख को या पश्चात् इनपुट और जुलाई 2017 की पहली तारीख को या पश्चात् कारखाने में प्राप्त इनपुट अंतिम उत्पाद विनिर्माण के संबंध में उपयोग द्वारा प्राप्त किया गया ।

(2) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अंतिम उत्पादों के विनिर्माता या निर्माता स्टॉक में या प्रक्रिया में पड़े इनपुट पर संदत्त उस तारीख को जिसे उक्त विनिर्माता या निर्माता द्वारा विनिर्मित माल छूट प्राप्त या कोई माल उत्पाद योग्य प्रविरत माल उत्पाद योग्य हो जाता है, स्टॉक में पड़े अंतिम उत्पादों में स्टॉक या प्रक्रिया इनपुट पर पड़े संदत्त पर शुल्क केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय के लिए अनुज्ञात किया जाएगा ।

(3) केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय संदाय के लिए उपयोग किया जा सकेगा जिस पर—

(क) अंतिम उत्पाद पर उत्पाद के कोई शुल्क ; या

(ख) इनपुट पर लेने में केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय के लिए बराबर रकम यदि ऐसे इनपुट, भागतः प्रसंस्कृत होने के पश्चात् इनपुट हटाए जाते हैं ;

(ग) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के नियम 15 के उपनियम (2) के अधीन रकम :

बशर्ते कि उत्पाद-शुल्क संदाय करते समय, सेनवेट प्रत्यय उस सीमा तक या तिमाही माह के अंतिम दिन यथास्थिति, माह या तिमाही ऐसी सीमा तक उपयोग किया जाएगा :

बशर्ते कि यह और भी कि उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी शुल्क के सेनवेट प्रत्यय, उसके क्लॉज़ (ब) में राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक के सिवाय वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के अधीन उद्बहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क के संदाय के लिए उपयोग नहीं होगा :

बशर्ते कि यह और भी कि वित्त अधिनियम, 2005 (2005 का 18) की धारा 85 के अधीन उद्बहणीय अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क के प्रत्यय से भिन्न उपनियम (1) में उल्लिखित किसी शुल्क का प्रत्यय केंद्रीय मूल्य वर्धित कर अंतिम उत्पादों पर उक्त उत्पाद-शुल्क के संदाय के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा ।

(4) उपनियम (1) और उपनियम (3) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी—

(i) वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के अधीन उद्बहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क ;

(ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्बहणीय अतिरिक्त शुल्क उपर्युक्त मद (i) के अधीन विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क के लिए समतुल्य ;

(iii) वित्त अधिनियम, 2005 (2005 का 18) की धारा 85 के अधीन उद्बहणीय उत्पाद के अतिरिक्त शुल्क,

वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के अधीन उद्बहणीय अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क स्वयं इनपुटों पर ऐसे शुल्क के संदाय के लिए अथवा विनिर्माता द्वारा विनिर्मित कोई उत्पाद, यदि ऐसे इनपुट भागतः प्रसंस्कृत होने के पश्चात् हटाया जाता है ।

4. कतिपय मामलों में सेनवेट प्रत्यय—(1) जब इनपुटों पर जिसे केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय कहा गया है, कारखाने से इस तरह हटाया जाता है, कि अंतिम उत्पादों का विनिर्माता इस तरह इनपुट की बाबत लाभ उठाएगा और नियम 9 में निर्दिष्ट बीजक के अच्छादन के अधीन इस तरह हटाया जाएगा।

(2) यदि किसी इनपुट का मूल्य जिस पर केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय पूर्णतः या भागतः अपलिखत किया जाता है या जहां कोई उपाबंध लेखा बहियों में पूर्णतः या भागतः अपलिखत किया जाएगा तो विनिर्माता उक्त इनपुट के संबंध में लिए गए सेनवेट प्रत्यय के बराबर रकम का संदाय करेगा :

बशर्ते कि उक्त इनपुट अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में तत्पश्चात् उपयोग किया जाता है, इन नियमों के उपाबंधों के अधीन विनिर्माता संदत्त केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय के समतुल्य रकम प्रत्यय लेने के लिए पात्र होगा।

(3) जहां एक निर्धारिती द्वारा विनिर्मित या उत्पादित किसी माल पर, शुल्क का संदाय केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के नियम 17 के अधीन विप्रेषित किए जाने के लिए शुल्क आदेश किया जाता है, केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय इनपुटों पर लेने में उक्त माल के विनिर्माण या उत्पादों में उसका उपयोग प्रतिवर्ती किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1—उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के अधीन संदेय रकम, जब तक विनिर्दिष्ट अन्यथा ना हो, केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय विकलन द्वारा संदत्त किया जाएगा या मार्च माह के अगले माह के पांचवे दिन को या पूर्व, मार्च माह के सिवाय, जहां ऐसा संदाय मार्च माह के 31वें दिन को या पूर्व किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2—यदि माल का विनिर्माता उपनियम उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के अधीन संदेय रकम का भुगतान करने में असफल रहता है, गलत रूप से लेने पर नियम 13 में यथा-उपबंधित रीति में उपयोग किया जाएगा।

(4) उपनियम (1) के अधीन संदत्त रकम केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय के रूप पात्र होगा मानों व्यक्ति द्वारा संदत्त शुल्क या जिसने उपनियम (1) के अधीन ऐसा माल हटाया गया था।

5. छूट के मामले में सेनवेट प्रत्यय —जहां कोई अन्य नियम या अधिसूचना के उपाबंध किसी इनपुट पर संदत्त शुल्क के प्रत्यय की गैर अनुलब्धता की शर्त पर पूर्ण या भाग छूट के लिए उपबंध करता है यदि इनपुट पर संदत्त शुल्क का प्रत्यय लाभ किया गया है। माल (ऐसे माल पर शुल्क संदाय के लिए सम्यक् तारीख के पश्चात्) की निकासी के पश्चात् ऐसा प्रत्यय उत्क्रमण छूट के लिए विनिर्माता पात्र को देगा।

6. सेनवेट अनुज्ञा के लिए शर्तें—(1) इनपुट की बाबत सेनवेट, विनिर्माता के कारखाने में जाँब कर्मकार के परिसरों में प्राप्ति पर तत्काल ले सकेगा, माल के मामले में विनिर्माता के निर्देश पर जाँब कर्मकार के लिए सीधे भेजे जाते हैं :

बशर्ते कि विनिर्माता नियम 11 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट कोई दस्तावेज जारी करने की तारीख के एक वर्ष के पश्चात् केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नहीं लेगा।

(2) (क) इनपुटों पर केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय अनुज्ञात किया जाएगा यदि ऐसे जैसे इनपुट या जाँब कर्मकार के लिए भागतः प्रसंस्कृत भेजे जाते हैं और तत्पश्चात् अन्य जाँब कर्मकार को भेजा जाता है और उसी तरह, और प्रसंस्करण परीक्षण, पुनःसुधार के लिए, या मध्यवर्ती माल आवश्यक के लिए अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए अन्य प्रयोजनों के लिए भेजे जाते हैं और केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय लेने के लिए विनिर्माता द्वारा अभिलेख, चालान या मेमो या कोई अन्य दस्तावेज से स्थापित किया जाता है कि इनपुट या उससे उत्पादित उत्पाद, कारखाना से उन्हें भेजने के लिए एक सौ अस्सी दिन के भीतर विनिर्माता द्वारा पीछे प्राप्त किया गया था :

परन्तु प्रत्यय भी अनुज्ञात किया जाएगा यदि विनिर्माता के परिसरों के लिए पहले उन्हें लाया गया के बिना जाँब कर्मकार के लिए सीधे भेजा जाता है और ऐसे मामले में, जाँब कर्मकार द्वारा इनपुटों की प्राप्ति की तारीख से एक सौ अस्सी दिन की अवधि से गणना की जाएगी।

(ख) विनिर्माता द्वारा उपखंड (क) के अधीन विनिर्दिष्ट समय के भीतर यदि पिछले इनपुट प्राप्त नहीं हुए हैं, विनिर्माता केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय या अन्यथा विकलन द्वारा इनपुटों के लिए केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय हेतु समतुल्य रकम देगा किन्तु विनिर्माता पुनः केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय ले सकेगा जब कारखाने में पीछे से प्राप्त किए जाते हैं।

(3) यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के उपायुक्त या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के सहायक आयुक्त अंतिम उत्पादों के विनिर्माता के कारखाने पर उसके पास समस्त अधिकारिता है जिसने आदेश द्वारा जॉब कर्मकार के लिए उसके कारखाने बाह्य इनपुटों या भागतः प्रसंस्कृत किया जाता है जिसे तीन वर्षों के लिए ऐसे इनपुटों भागतः प्रसंस्कृत इनपुट विधिमान्य होगा और ऐसी शर्तों के अधीन जो जिसका शुल्क में रीति सहित राजस्व के हित में अधिरोपित किया जा सके, यदि उद्बहणीय हो, संदत्त, जॉब कर्मकार के परिसरों से स्पष्ट किए जाने के लिए अंतिम उत्पाद अनुज्ञा को संदत्त के लिए किया जाता है।

स्पष्टीकरण 1—इस नियम में उल्लिखित रकम जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय के विकलन द्वारा माल के विनिर्माता द्वारा संदत्त किया जाएगा या अन्यथा निम्नलिखित माह के पांचवे दिन को या पूर्व, मार्च के सिवाय संदत्त किया जाएगा, जब ऐसा संदाय मार्च के माह के 31वें दिन को या पूर्व किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2—इस नियम के अधीन रकम संदाय के लिए असफल रहता है, गलत लेने पर केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की वसूली के लिए नियम 16 में यथा-उपबंधित रीति में वसूल करेगा।

स्पष्टीकरण 3—विनिर्माता के मामले में जो वित्तीय वर्ष में निकासियों के मूल्य पर आधारित अधिसूचना के अधीन छूट प्राप्त करता है "निम्नलिखित माह" पद और "मार्च का माह" स्पष्टीकरण में आने वाले क्रमशः "निम्नलिखित तिमाही" और "मार्च के माह के साथ अंतिम तिमाही" पढ़ा जाएगा।

7. सेनवेट प्रत्यय का प्रतिदाय—(1) कोई विनिर्माता जो अंतिम उत्पाद या बंधपत्र या उपक्रम का पत्र के अधीन शुल्क के संदाय के बिना निर्यात के लिए कोई मध्यवर्ती उत्पाद स्पष्ट करता है, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा बोर्ड द्वारा जो विनिर्दिष्ट कर सके, प्रक्रिया, रक्षोपाय, शर्तें और परिसीमाएं के अधीन निम्नलिखित फार्मूला द्वारा जो अवधारित किया जा सके, सेनवेट प्रत्यय का प्रतिदाय अनुज्ञात किया जाएगा :

$$\text{प्रतिदाय रकम} = \frac{(\text{माल का निर्यात आवर्त})}{\text{कुल आवर्त}} \times \text{शुद्ध सेनवेट प्रत्यय}$$

जहां,—

(क) "प्रतिदाय रकम" से अधिकतम प्रतिदाय से अभिप्रेत है जो कि अनुज्ञेय है ;

(ख) "शुद्ध सेनवेट प्रत्यय प्रत्यय" से सुसंगत अवधि के दौरान नियम 3 के उपनियम (4ख) के निबंधनों में प्रतिवर्तित रकम द्वारा कमी की गई विनिर्माता द्वारा इनपुटों पर लाभ्य कुल केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय अभिप्रेत है ;

(ग) "माल का निर्यात आवर्त" सुसंगत अवधि के दौरान निर्बाधित अंतिम उत्पाद और मध्यवर्ती उत्पाद के मूल्य से अभिप्रेत है और बंधपत्र या उपक्रम का पत्र के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क संदाय के बिना निर्यातित किया जाता है ;

(घ) "कुल आवर्त" मूल्य के कुल राशि से अभिप्रेत है, जो मूल्य के—

(i) माल, शुल्क योग्य माल और उत्पाद-शुल्क योग्य माल निर्यातित सहित सुसंगत अवधि के दौरान निर्बाधित उत्पाद-शुल्क योग्य माल ;

(ii) नियम 3 के उपनियम (4) के अधीन जैसे समान सभी इनपुटों को बीजक के प्रति हटाए जाते हैं अवधि के दौरान जिसके लिए दावा फाइल किया गया है।

(2) प्रत्यय का दावा अनुज्ञात नहीं किया जाएगा यदि विनिर्माता यथास्थिति, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सेवा कर वापसी नियम, 1995 या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2002 या उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के अधीन शुल्क में रिबेट दावा ऐसे शुल्क की बाबत अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1—इस नियम के प्रयोजनों के लिए—

(1) "निर्यात माल" से ऐसा माल अभिप्रेत है जो भारत से बाह्य स्थान के लिए भारत से बाहर ले जाया जाना है ;

(2) "सुसंगत अवधि" से ऐसी अवधि अभिप्रेत है जिसके लिए दावा फाइल किया गया है।

8. अंतिम उत्पादों के विनिर्माता या निर्माता की बाध्यता— (1) सेनवेट प्रत्यय इनपुट की ऐसी मात्रा को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जो कि छूट प्राप्त माल विनिर्माता के संबंध में या उसमें उपयोग किया जाता है और हटाने के स्थान तक उनकी निकासी और यथास्थिति, उपनियम (2) या उपनियम (3) के उपबंधों के निबंधनों में विनिर्माता द्वारा परिभाषित और संदत्त किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए नियम 2 के खंड (घ) और खंड (ङ) में यथा-परिभाषित छूट प्राप्त माल और अंतिम माल कारखाने से प्रतफल के लिए निर्बाधित गैर-उत्पाद-शुल्क माल सम्मिलित होगा।

स्पष्टीकरण 2- इस नियम के प्रयोजनों के लिए गैर उत्पाद-शुल्कों माल का मूल्य बीजक मूल्य होगा और जहां ऐसे बीजक मूल्य उपलब्ध नहीं हैं वहां मूल्य को उत्पाद-शुल्क अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों में अंतर्विष्ट मूल्यांकन के सिद्धांतों से संगत उपयोग किए जाने वाले युक्तियुक्त अर्थों द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(2) कोई विनिर्माता, अनन्य रूप से ऐसे छूट प्राप्त माल का, उन्हें हटाए जाने के स्थान तक उनकी निकासी के लिए विनिर्माण करता है, इनपुट के प्रत्यय की संपूर्ण रकम का संदाय करेगा और वस्तुतः किन्हीं इनपुटों के प्रत्यय के लिए पात्र नहीं होगा।

(3)(क) ऐसा विनिर्माता जो दो प्रकार के माल का विनिर्माण करता है, अर्थात् :--

(i) गैर- छूट प्राप्त माल को हटाने

(ii) छूट प्राप्त माल को हटाने

उसको लागू निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का अनुसरण करेगा, अर्थात्:-

(i) उस अवधि के दौरान जिसमें इनपुट से संबंधित संदाय के अधिकतम कुल आरंभिक अतिशेष पर छूट प्राप्त माल के मूल पर छह प्रतिशत के बराबर रकम का संदाय करेगा।

(ii) उपनियम (4) के अधीन यथा-अवधारित रकम की संदाय:

परन्तु यह कि कोई उत्पाद:शुल्क छूट प्राप्त माल की बाबत संदत्त किया गया है उसे खंड (i) के अधीन संदाय रकम से घटाया जाएगा:

स्पष्टीकरण 1- यदि माल का विनिर्माता इस नियम के अधीन किसी विकल्प का उपभोग करता है तो वह उसके द्वारा विनिर्मित सभी छूट प्राप्त माल के लिए ऐसे विकल्प का प्रयोग करेगा और ऐसा विकल्प को वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापस नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2- कोई सेनवेट प्रत्यय किन्हीं माल की बाबत संदत्त शुल्क पर लिए जाएंगे जो इनपुट नहीं हैं।

स्पष्टीकरण 3- इस उपनियम और उप नियम (4) के प्रयोजन के लिए:-

(क) "गैर-छूट प्राप्त माल को हटाना" से विनिर्मित छूट प्राप्त माल से अपवर्जित अंतिम उत्पादों और निराकरण-स्थान तक साफ किया जाना अभिप्रेत है:

(ख) "छूट प्राप्त माल को हटाना" से विनिर्मित छूट प्राप्त माल और निराकरण स्थान तक साफ किया जाना अभिप्रेत है:

(4) उपधारा (3)के खंड (ii) के अधीन संदत्त की जाने वाली अपेक्षित रकम का अवधारण के लिए माल के विनिर्माता निम्नलिखित प्रक्रिया और शर्तों का पालन करेगा, अर्थात् :--

(क) माल के विनिर्माता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधीक्षक को, लिखित में निम्नलिखित विशिष्टियां सूचित करेगा अर्थात् :--

(i) माल के विनिर्माता का नाम, पत्ता और रजिस्ट्रीकरण संख्यांक ;

(ii) ऐसी तारीख जिससे इस खंड के अधीन विकल्प का प्रयोग किया गया है या प्रयोग किया जाना प्रस्तावित है :

(iii) अपसारित गए छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट का वर्णन और ऐसे छूट प्राप्त माल का वर्णन:

(iv) अपसारित किए गए गैर छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट का वर्णन और हटाए गए ऐसे गैर छूट प्राप्त माल का वर्णन:

(v) इस शर्त के अधीन विकल्प का प्रयोग करने की तारीख को अतिशेष में पड़े इनपुट के केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय प्रत्यय:

(ख) अंतिम उत्पादों के विनिर्माता, सेनवेट प्रत्यय के विनिर्माता संदत्त की जानकारी अपेक्षित प्रत्यय का अवधारण करेगा जिसमें से मास के दौरान लिए गए इनपुट को निम्नलिखित आनुक्रमिक उपायों से इस कुल प्रत्यय को "टी" के रूप में सूचित किया गया है और उपखंड (i) और उपखंड (iv) के अधीन अवधारित रकमों को अनंतिम रूप से प्रत्येक मास दिया जाएगा, अर्थात् :--

(i) अपसारित किए गए छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट से आरोप योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम, जिसे अपात्र प्रत्यय कहा गया है "ए" के रूप में सूचित किया गया है और उसे संदत्त किया जाएगा।

(ii) अपसारित गए गैर छूट प्राप्त माल के विनिर्माण में अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट से आरोपण योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम जिसे पात्र प्रत्यय कहा जाएगा "बी" के रूप में सूचित किया गया है और उसे संदत्त किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

(iii) उपखंड (i) और उपखंड (ii) के अधीन प्रत्यय के आरोप के पश्चात् लिए गए प्रत्यय जिसे सामान्य प्रत्यय कहा जाएगा, सी के रूप में सूचित किया गया है और उसे निम्नलिखित रूप में संगणित की गई है, अर्थात् :-- सी=टी-(ए+बी);

स्पष्टीकरण- जहां संपूर्ण प्रत्यय उपखंड (i) और उपखंड (ii) अर्थात् अपात्र प्रत्यय या पात्र प्रत्यय के अधीन आरोपित किया गया है वहां और आरोपण के लिए सामान्य शेष प्रत्यय नहीं होगा।

(iv) अपसारित गए छूट प्राप्त माल के विषय में आरोप योग्य सामान्य प्रत्यय की रकम, जिसे अपात्र सामान्य प्रत्यय कहा गया है "डी" के रूप में सूचित किया गया है और निम्नलिखित रूप में संगणित की जाएगी और संदत्त किया जाएगा $डी = (ई/एफ) \times सी$;

यहाँ "ई" पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष वाले के दौरान अपसारित छूट प्राप्त माल के मूल्य का कुल जोड़ है

यहाँ "एफ" निम्नलिखित का कुल जोड़ है

(क) अपसारित गैर छूट प्राप्त माल का मूल्य; और

(ख) पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अपसारित छूट प्राप्त माल का मूल्य:

परन्तु यह कि जहाँ कोई अंतिम उत्पाद पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में विनिर्मित नहीं किए गए थे वहाँ अपात्र सामान्य प्रत्यय से आरोप योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय प्रत्यय, सामान्य प्रत्यय का पचास प्रतिशत समझा जाएगा।

(v) सामान्य प्रत्यय का स्मरणपत्र को पात्र सामान्य प्रत्यय कहा गया है और उसे "जी" के रूप में सूचित किया गया है, जहाँ,--

जी= सी-डी.

स्पष्टीकरण:- शंकाओं को दूर करने के लिए, यह घोषणा किया जाता है कि कुल प्रत्यय “ट” के बिना जो ए बी डी और जी का कुल जोड़ है, विनिर्माता अनंतिम रूप से आरोप के योग्य होगा और बी और जी के शेष प्रत्यय अर्थात्, पात्र प्रत्यय और पात्र सामान्य प्रत्यय अनंतिम रूप से ए और डी के प्रत्यय अर्थात्, अपात्र प्रत्यय और अपात्र सामान्य प्रत्यय की रकम देगा।

(vi) जहाँ विनिर्माता उपखंड (i) और उपखंड (iv) के अधीन अवधारित रकम देने में असफल हो जाता है वहाँ वह पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर ऐसे रकम की संदाय की तारीख तक संदाय की तारीख से ब्याज देने के लिए की दायी होगा।

- (ग) विनिर्माता संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए अवसारित छूट प्राप्त माल के आरोपण योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम अवधारित करेगा जिनमें से टी (वार्षिक) के रूप में सूचित कुल प्रत्यय को निम्नलिखित रीति में सम्पूर्ण वित्तीय वर्ष के दौरान दिया जाएगा, अर्थात्:-
- (i) वित्तीय वर्ष के दौरान वास्तविक रूप से इस प्रकार प्रयुक्त इनपुट के आधार पर अवसारित छूट प्राप्त माल का विनिर्माण अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट के आरोपण योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय को वार्षिक अपात्र प्रत्यय कहा गया है और उसे ए वार्षिक के रूप में सूचित किया गया है।
- (ii) वास्तविक रूप से इस प्रकार प्रयुक्त इनपुट के आधार पर अवसारित गैर छूट प्राप्त माल का विनिर्माण अनन्य रूप से या के संबंध में प्रयुक्त इनपुट के आरोपण योग्य केंद्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय को वार्षिक पात्र प्रत्यय कहा गया है और उसे बी (वार्षिक) के रूप में सूचित किया गया है।
- (iii) और आरोपण के लिए बाएँ सामान्य प्रत्यय सी (वार्षिक) के रूप में सूचित किया गया है और उसे निम्नलिखित रूप में संगणित की जाएगी, अर्थात्:-

सी (वार्षिक)=टी (वार्षिक)-[ए(वार्षिक)+बी(वार्षिक)];

- (iv) हटाए गए छूट प्राप्त माल के विषय में आरोपण योग्य सामान्य प्रत्यय को अपात्र सामान्य प्रत्यय कहा गया है, जिसे डी (वार्षिक) द्वारा सूचित किया गया है और उसे निम्नलिखित प्रकार से संगणित की जाएगी.

डी (वार्षिक)- (एच/आई) X सी(वार्षिक)

यहाँ एच वित्तीय वर्ष के दौरान हटाए गए छूट प्राप्त माल के मूल्य का कुल जोड़ है।

यहाँ वित्तीय वर्ष के दौरान आई निम्नलिखित का कुल जोड़ है

(क) अपसारित गैर छूट प्राप्त माल का मूल्य, और

(ख) अपसारित छूट प्राप्त माल का मूल्य:

(घ) विनिर्माता संपूर्ण वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक अपात्र प्रत्यय और वार्षिक अपात्र सामान्य प्रत्यय की कुल रकम तथा अपात्र प्रत्यय और अपात्र सामान्य प्रत्यय की कुल रकम के बीच के अंतर के बराबर की रकम उत्तरवर्ती वित्तीय वर्ष के 30 जून को या इससे पहले देगा अर्थात्

[(ए (वार्षिक)+ डी(वार्षिक))- {(ए+डी) संपूर्ण वर्ष के लिए}] कुल यहाँ पूर्व के दोनों रकमों से बाद की रकम अधिक है।

(ङ) जहाँ खंड (घ) के अधीन के रकम उत्तरवर्ती वित्तीय वर्ष के 30 जून तक संदत्त नहीं किया गया हो वहाँ माल के विनिर्माता खंड (घ) के अधीन इस प्रकार संदत्त प्रत्यय की रकम के अतिरिक्त ऐसे रकम की संदाय की तारीख तक उत्तरवर्ती वित्तीय वर्ष के 30 जून से पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर ब्याज की ऐसी रकम को देने के लिए दायी होगा ।

(च) विनिर्माता वित्तीय वर्ष के अंत में संपूर्ण वर्ष के दौरान संदत्त अपात्र प्रत्यय और अपात्र सामान्य प्रत्यय के कुल योग के कुल रकम के बीच के अंतर के बराबर रकम देगा और वार्षिक अपात्र प्रत्यय और वार्षिक अपात्र

सामान्य प्रत्यय अर्थात् पूर्व के दोनों रकमों से बाद की रकम अधिक है [संपूर्ण वर्ष के लिए कुल योग (ए-डी)-ए {(वार्षिक)+डी (वार्षिक)}]

(छ) माल के विनिर्माता निम्नलिखित विशिष्टियाँ खंड(घ),(ङ) और (च) के उपबंधों के अनुसार संदाय या समायोजन की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के भीतर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधिकारिता वाले अधीक्षक को सूचना देगा अर्थात् :--

- (i) संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए मासिक वार पात्र प्रत्यय, अपात्र, पात्र सामान्य प्रत्यय और अपात्र सामान्य प्रत्यय के विषय में प्रत्यय आरोपण के ब्यौरे को खंड (ख) के उपबंधों के अनुसार अवधारित करेगा।
- (ii) संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए पात्र प्रत्यय, अपात्र प्रत्यय, पात्र सामान्य प्रत्यय और अपात्र सामान्य प्रत्यय के वार्षिक रूप से आरोपण केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय प्रत्य को खंड (ग) के उपबंधों के अनुसार अवधारित करेगा।
- (iii) खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार, यदि कोई हो, रकम की संदाय की तारीख सहित रकम अवधारित करेगा और देगा
- (iv) संदाय या संदत्त, यदि कोई हो, खंड (ङ) के अनुसार अवधारित करेगा, और
- (v) खंड (च) के उपबंधों के अनुसार, यदि कोई हो, प्रत्यय की प्राप्ति की तारीख सहित प्रत्यय अवधारित करेगा और देगा।

(5) जहाँ कोई विनिर्माता उपनियम (3) के अधीन विकल्प का प्रयोग और उपनियम (4) के अधीन उपबंधित प्रक्रिया का पालन करने में असफल होता है तो अंतर्वर्तित सेनवेट प्रत्यय की रकम पर आधारित न्यायनिर्णयन मामले सक्षम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी प्रक्रिया का अनुसरण करने के लिए ऐसे विनिर्माता को अनुमति दे सकेगा और उसके संदाय की तारीख तक ऐसे प्रत्येक मास के लिए रकम की संदाय के लिए देय तारीख से पंद्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर संगणित ब्याज सहित उपनियम (4) के खंड (ग) के निबंधनों के अनुसार आवश्यक परिवर्तनों सहित प्रत्येक मास के लिए संगणित उपनियम (3) के खंड (ii) में निर्दिष्ट रकम को देगा।

(6) जहाँ इस शर्त के आधार पर कोई छूट दी गई है कि इनपुटों पर कोई सेनवेट प्रत्यय नहीं लिया जाएगा वहाँ उपनियम (3) के अधीन किसी रकम के संदाय के किसी छूट सम्बन्धी अधिसूचना के प्रयोजन के लिए लिया गया केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय समझा जाएगा

स्पष्टीकरण I- उपनियम (3) और (4) के प्रयोजन के लिए “मूल्य” का वही अर्थ यथासमनुदेशित होगा जो उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3, 4 या 4क के साथ पठित उसके अधीन बनाए गए नियमों में उसका है

स्पष्टीकरण II- उपनियम (3) और (4) में उल्लिखित रकम तब तक विनिर्दिष्ट नहीं की जाएगी जब तक कि विकलन वाले सेनवेट प्रत्यय द्वारा मालों के विनिर्माता द्वारा संदत्त नहीं किया जाता या मार्च मास के सिवाय अगले मास की 5 तारीख को या उससे पहले तब ऐसे संदाय मार्च मास की 31 तारीख को या उससे पहले किया जाएगा।

स्पष्टीकरण III- यदि मालों का विनिर्माता उपनियम (3) और (4) के अधीन रकम संदाय करने में असफल रहता है तो अन्यपूर्ण दिए गए सेनवेट प्रत्यय की वसूली के लिए नियम 16 में यथाउपबंधित रीति में उसकी वसूली की जाएगी।

स्पष्टीकरण IV- ऐसे विनिर्माता की दशा में जो किसी वित्तीय वर्ष में निकासी मूल्य पर आधारित अधिसूचना के अधीन छूट का उपभोग किया है उपनियम (3) और (4) के अधीन उद्भूत “आगामी मास” और “मार्च मास” शब्दों का क्रमशः मार्च के मास से समाप्त होने वाले तिमाही को “आगामी तिमाही और” के रूप में पढ़ा जाएगा।

(4) उपनियम, (1), (2) और (3) के उपबंध शुल्क के संदाय के बिना हटाए गए उत्पाद-शुल्कयोग्य मालों की दशा में लागू नहीं होगा यदि—

- (i) उनके प्राधिकृत संक्रियाओं के लिए किसी विशेष आर्थिक जोन के किसी यूनिट की सफाई या किसी विशेष आर्थिक जोन के विकास के लिए; या
- (ii) शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम की सफाई; या
- (iii) उनके पदीय उपयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र या अंतर्राष्ट्रीय संगठन से की गई पूर्ति या उनके द्वारा विधिक परियोजनाओं को की गई पूर्ति को जिसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क-108/95 तारीख 28 अगस्त, 1995 सं. सां०का०नि० 602 (अ), तारीख 28 अगस्त, 1995 के अधीन शुल्क से छूट उपलब्ध है; या
- (iv) अधिसूचना सं० 12/2012-सीई, तारीख 17 मार्च, 2012 सं० सां०का०नि० 163(अ), तारीख 17 मार्च, 2012 के उपबंधों के निबंधनों में विदेशी राजनयिक मिशन या कौंसलीय मिशन या कैरियर कौंसलय कार्यालय या राजनयिक अभिकर्ता के उपयोग के लिए की गई पूर्ति; या
- (v) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के उपबंधों के निबंधनों में बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए की गई निकासी।

9. विनिर्माता के भांडागार द्वारा इनपुट के संबंध में प्रत्यय का वितरण :-- (1) ऐसा विनिर्माता जिसके पास एक या दो फैक्ट्री है उक्त विनिर्माताके किसी भांडागार द्वारा जारी बीजक की आड़ में प्राप्त इनपुट के संबंध में किए गए प्रत्यय को अनुज्ञान करेगा जो ऐसे इनपुट को क्रय करने के संबंध में नियम 11 के अधीन विनिर्दिष्ट दस्तावेज के भांड में इनपुट प्राप्त होते हैं।

(2) इन नियमों के उपबंधों या उत्पाद-शुल्क अधिनियम के अधीन बनाए गए अन्य नियम जो प्रथम प्रक्रम के व्यवहारी या द्वितीय प्रक्रम के व्यवहारी को लागू होता है, यथापरिवर्तन सहित, विनिर्माता के भांडागार को लागू होगा।

10. विनिर्माता के कारखाने का इनपुट आउटपुट का भंडारण- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के ऐसे उपायुक्त या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के ऐसे सहायक आयुक्त, यथास्थिति, जिनकी अधिकारिता में आपवादिक परिस्थितियों में अंतिम उत्पादों के विनिर्माण का कारखाना है मालों की प्रकृतिको और ऐसे विनिर्माता के परिसर में भंडारण स्थान की कमी को ध्यान में रखते हुए आदेश द्वारा सेनवेट प्रत्यय की बाबत इनपुट भंडार को विनिर्माता ऐसी सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए कारखाना के बाहर रखने के लिए विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

परन्तु यह कि जहां ऐसा इनपुट को किसी और कारण से इन नियमों में विनिर्दिष्ट रीति में उपयोग नहीं किया जाता है वहां अंतिम उत्पादों के विनिर्माता ऐसे इनपुट की बाबत उपयोग किए गए प्रत्यय की तुलना में बराबर रकम देगा।

11. दस्तावेज और खाते-(1) सेनवेट प्रत्यय निम्नलिखित किन्हीं दस्तावेजों के आधार पर विनिर्माण द्वारा दिया जाएगा, अर्थात् :--

(क) जारी बीजक पर

(i) बीजक की निकासी के लिए विनिर्माता

(I) ऐसे इनपुट के लिए जो उक्त विनिर्माता के पारेषण एजेंट के उसके कारखाना या डिपो में या परिसरों से या उसके अन्य परिसरों में जिससे उक्त विनिर्माता द्वारा या उसके निमित्त माल खरीदे गए हैं ;

(II) ऐसे इनपुट;

(ii) ऐसे आयातकर्ता;

(iii) ऐसा आयातकर्ता जो उक्त आयातकर्ता के पारेषण एजेंट के उसके डिपो से या परिसरों से, यदि वह, यथास्थिति उक्त डिपो या परिसर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के निबंधनों के अनुसार रजिस्ट्रीकृत है;

(iv) एक प्रथम व्यवहारी या एक द्वितीय व्यवहारी जैसा कि मामला हो ; या

(ख) उक्त विनिर्माण या आयातकर्ता के पारेषण एजेंट अपने कारखाना या डिपो से या परिसर से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के उपबंधों के निबंधनों के अनुसार इनपुटों के विनिर्माण या आयातकर्ता द्वारा कोई अनुपूरक बीजक जारी करता है या किसी अन्य परिसर से जहां से उक्त विनिर्माता या आयतकर्ता द्वारा या उसके निमित्त माल खरीदे गए हैं, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्गृहीत उत्पाद-शुल्क या अतिरिक्त शुद्ध की अतिरिक्त रकम की दशा में, सिवाय उत्पाद-शुल्क अधिनियम या सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के या शुल्क के संदाय का अपव्ययन करने की आशय के अधीन बनाए गए नियमों के किन्हीं उपबंधों के कवट के कारण किसी अनुद्वहण या कम उद्वहण, दुरमिसंधि या जानबूझ कर किया गया कोई मिथ्या कथन या तथ्यों को छिपाया गया या उल्लंघन के उद्देश्य से इनपुट के विनिर्माता या आयातकर्ता से वसूल किए जाने योग्य शुल्क के अतिरिक्त रकम के, संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण.- शंकाओंको दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन अनुपूरक बीजक में चालान या उद्गृहीत अतिरिक्त शुल्क के अतिरिक्त रकम का कोई अन्य समरूप साक्ष्यिक संदाय ; या

(ग) प्रवेश पत्र ;या

(घ) विदेशी डाक घर के माध्यम से आयातित माल के संबंध में सीमा शुल्क का अंकक, या यथास्थिति प्राधिकृत कुरियर सीमा शुल्क का प्रधान आयुक्त या सीमाशुल्क विमान पत्तन का भार साधक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र:

परंतु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 की उप-धारा (5) के अधीन उद्गृहीत अतिरिक्त सीमा-शुल्क प्रत्यय की अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि बीजक या अनुपूरक बीजक, यथास्थिति इस प्रभाव को उपदर्शित करते हुए वहन करता है कि उक्त अतिरिक्त शुल्क ग्राह्य नहीं होगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन कोई भी सेनवेट प्रत्यय नहीं लिया जाएगा जब तक सभी विवरण केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के अधीन वर्णित नहीं हैं या उक्त दस्तावेज में नहीं हैं :

परंतु यदि उक्त दस्तावेज सभी विवरण अंतर्विष्ट नहीं करता है, बल्कि संदत्त शुल्क का ब्यौरा, माल का वर्णन, निर्धारणीय मूल्य, बीजक जारी किए गए व्यक्ति का केन्द्रीय उत्पाद रजिस्ट्रीकृत संख्या, कारखाना या भण्डागार, प्रथम या द्वितीय चरण व्यावहारी के परिसर, केन्द्रीय उत्पाद का उपायुक्त, या केन्द्रीय उत्पाद का सहायक आयुक्त का नाम और पता, यथास्थिति उसके ब्यौरे उक्त दस्तावेज द्वारा आने वाले माल को प्राप्त किया है या प्रापक के लेखा बही में लेखा किया गया है, उसे सेनवेट कर प्रत्यय की अनुमति दी जा सकेगी।

(3) प्रथम स्तर व्यावहारी या द्वितीय स्तर व्यावहारी से क्रय निवेश के संबंध में सेनवेट प्रत्यय की अनुमति दी जाएगी, यदि उक्त प्रथम स्तर व्यवहारी या द्वितीय स्तर व्यवहारी यथास्थिति, तथ्यों को निर्दिष्ट करते हुए अभिलेख बनाते हुए कि स्टॉक से निवेश का प्रदाय किया गया था, जिसे उक्त निवेश के निर्माता द्वारा शुल्क संदत्त किया गया था और केवल उक्त शुल्क की रकम पूर्व दर के आधार पर उसके द्वारा जारी किए गए बीजक में उपदर्शित किया गया है :

परंतु इस उप-नियम के प्रावधान आयात-कर्ता को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगा, जो बीजक जारी करता है, जिसका सेनवेट प्रत्यय प्राप्त किया जा सकता है।

(4) अंतिम उत्पाद का विनिर्माता प्राप्ति, निपटान, खपत और निवेश की सूची के लिए उचित अभिलेख सुरक्षित रखना होगा। जिसमें मूल्य, संदत्त शुल्क. लिया गया सी ई एन वीए टी प्रत्यय और उपयोग से संबंधित सुसंगत सूचना, वह व्यक्ति जिससे निवेश उपाप्त किया गया है उसे अभिलोपित किया जाएगा और सेनवेट प्रत्यय की ग्राह्यता से संबंधित सबूत का भार उस विनिर्माता के ऊपर होगा, जो उक्त प्रत्यय प्राप्त कर रहा है।

(5) अंतिम उत्पाद का विनिर्माता प्रत्येक माह के अंत से दस दिनों के भीतर, विशिष्ट प्ररूप में मासिक विवरणी बोर्ड द्वारा अधिसूचना के माध्यम से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा :

परंतु जहां विनिर्माता वित्तीय वर्ष में कीमत या निकासी की मात्रा पर आधारित अधिसूचना के अधीन छूट प्राप्त कर रहा है, उसे विशिष्ट प्ररूप में तिमाही अधिसूचना के माध्यम से, विवरणी से संबंधित तिमाही के अंत से दस दिन के भीतर बोर्ड द्वारा विवरणी फाईल करनी होगी।

(6) प्रथम स्तर व्यवहारी या द्वितीय स्तर व्यवहारी या रजिस्ट्रीकृत आयातकर्ता, जैसा भी मामला हो, बोर्ड द्वारा अधिसूचना के माध्यम से विशिष्ट प्ररूप में विवरणी को केन्द्रीय उत्पाद अधीक्षक को वर्ष के प्रत्येक तिमाही के अंतिम से पंद्रह दिन के भीतर प्रस्तुत करेगा :

परंतु प्रथम स्तर व्यवहारी या द्वितीय स्तर व्यवहारी या रजिस्ट्रीकृत आयातकर्ता, यथास्थिति, इलेक्ट्रानिक माध्यम से उक्त विवरणी प्रस्तुत करेगा ।

12. वार्षिक विवरणी.- (1) अंतिम उत्पाद का विनिर्माता प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी उत्तरवर्ती वर्ष के 30 नवम्बर को बोर्ड द्वारा अधिसूचना के माध्यम से विशिष्ट प्ररूप में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा ।

(2) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के नियम 12 के प्रावधानों में, जैसा कि वे वार्षिक विवरणी से संबंधित हैं, यथावश्यक परिवर्तन सहित, इस नियम के अधीन भरा गया अपेक्षित वार्षिक विवरणी पर लागू होगा ।

13. सेनवेट प्रत्यय का अंतरण.-(1) यदि अंतिम उत्पाद का विनिर्माता अपने कारखाने को दूसरे स्थल पर स्थानांतरित करता है या स्वामित्व के परिवर्तन के कारण कारखाने का स्थानांतरण किया गया है या विक्रय, विलय, समामेलन, पट्टा उक्त कारखाने के दायित्वों के अंतरण के लिए विशिष्ट प्रावधानों के साथ संयुक्त उद्यम का अंतरण किया जाता है, तब विनिर्माता को उक्त अंतरण, विक्रय, विलय, पट्टा या कारखाने के समामेलन के लिए अनुप्रयुक्त पड़े हुए सेनवेट प्रत्यय के अंतरण की अनुमति दी जाएगी ।

(2) उपनियम (1) के अधीन सेनवेट प्रत्यय का अंतरण की अनुमति केवल तब होगी जब वह प्रक्रिया में हो या उसी प्रकार के निवेश का स्टॉक हो, जो कारखाने के साथ अंतरित किया गया हो या नये स्थल का कारबार परिसर हो या स्वामित्व हो और निवेश, जिसके प्रत्यय का सम्यक लेखा किया गया है, केन्द्रीय उत्पाद का उपायुक्त या केन्द्रीय उत्पाद का सहायक आयुक्त यथास्थिति, संतुष्ट हो ।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अधीन सेनवेट प्रत्यय का अंतरण, केन्द्रीय उत्पाद के उपायुक्त या केन्द्रीय उत्पाद के सहायक आयुक्त द्वारा, यथास्थिति, प्रार्थना-पत्र की प्राप्ति की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर अनुमति दी जाएगी :

परंतु अवधि, जो उप-नियम में विनिर्दिष्ट है, उचित कारण को दिखाये जाने पर और कारणों को लिखित में अभिलिखित किए जाने पर, केन्द्रीय उत्पाद के प्रधान आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद आयुक्त द्वारा, यथास्थिति, आगे की अवधि के लिए, जो छः माह से अधिक का नहीं होगा, बढ़ा सकेगा ।

14. सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (5) के अधीन उद्धृष्ट अतिरिक्त शुल्क के सेनवेट प्रत्यय का अंतरण.- (1) अंतिम उत्पाद का विनिर्माता या निर्माता, जिसके पास एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत परिसर हैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन साधारण स्थायी खाता संख्या के आधार पर प्राप्त किए गए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 2017 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किए गए सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (5) के अधीन उद्धृष्ट अतिरिक्त शुल्क का अप्रयुक्त सेनवेट प्रत्यय का अंतरण किया जा सकेगा, प्रत्येक तिमाही के अंत में उनमें से उसके किसी एक खाली पड़े रजिस्ट्रीकृत परिसर, उसके दूसरे रजिस्ट्रीकृत परिसर द्वारा -

(i) नियम 11 के अधीन अनुरक्षित दस्तावेजों में उक्त अंतरण के लिए प्रविष्टि करना;

(ii) अंतरण चालान जारी करना जिसमें रजिस्ट्रीकृत संख्या, रजिस्ट्रीकृत परिसर का नाम और पता अंतरित किए गए प्रत्यय या उक्त प्रत्यय की प्राप्ति, अंतरित किए गए प्रत्यय की रकम और खंड (i) में उल्लिखित उक्त प्रविष्टि का विवरण,

और उक्त प्राप्तिकर्ता के परिसर, अंतरण चालान के आधार पर सेनवेट प्रत्यय ले सकेंगे ।

विनिर्माता या निर्माता, जैसा कि इस नियम के अधीन विनिर्दिष्ट है, रजिस्ट्रीकृत परिसर के अंतरण और प्राप्ति के संबंध में पृथकतः मासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा ।

15. संक्रमणकालीन प्रावधान- (1) ऐसा कोई भी व्यक्ति जो कि केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) के अंतर्गत पंजीकृत है केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के अंतर्गत प्राप्त संपूर्ण प्रत्यय को, जो कि 1 जुलाई, 2017 के तत्काल पूर्व समाप्त होने वाली अवधि से संबंधित है, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का 12)

के अध्याय 20 के अनुसार और इस अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार अपने इलेक्ट्रानिक प्रत्यय लेजर में अंतरित कर सकता है और ऐसे किसी भी सेनवेट प्रत्यय को, जिसका इस तरह अंतरण नहीं किया जा सकता है तब तक सेनवेट प्रत्यय के रूप में अपने पास नहीं रख सकता है जब तक कि इन नियमों के अनुसार ऐसा करने की उसे अनुमति न हो।

(2)(क) इन नियमों में निहित किन्हीं भी बातों के बावजूद, केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति, जिससे कि उत्पाद-शुल्क अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण कराना जरूरी नहीं था के बारे में यह माना जाएगा कि उसके पास ऐसा कागजात है जिससे कि यह सिद्ध हो कि शुल्क का भुगतान हुआ है, यदि ऐसे विशेष वस्तु का भी निर्माता जिस पर केंद्रीय उत्पाद-शुल्क लगता था ने उसको प्रत्यय अंतरण कागजात जारी किया है, जोकि उसके द्वारा 1 जुलाई, 2017 को अपने भंडार में रखे ऐसे विशेष वस्तु से संबंधित है, जिसके लिए उसके पास ऐसा कोई बीजक नहीं था जिससे यह प्रकट हो कि शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) खंड (क) के अधीन प्रत्यय का अंतरित दस्तावेज कुछ शर्तों की प्रक्रिया और सुरक्षा जैसा कि केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाए, के अधीन विनिर्दिष्ट माल के विनिर्माता द्वारा जारी किया जाएगा।

स्पष्टीकरण.- उप-नियम (2) के उद्देश्यों के लिए "विनिर्दिष्ट माल" का तात्पर्य ऐसे माल से है, जिसका मूल्य प्रति मद के लिए पच्चीस हजार रुपए से अधिक है और जो विनिर्माता या मूल विनिर्माता का ब्रांड नाम धारण करता है और जो एक भिन्न संख्या यथा-कार का चेसिस/ इंजन संख्या द्वारा पहचान योग्य हो।

16. दोषपूर्ण तरीके से प्राप्त किया गया या गलती से प्रतिदाय किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय की वसूली—(1) जहां सेनवेट प्रत्यय दोषपूर्ण तरीके से प्राप्त किया गया है, लेकिन उसका उपयोग नहीं किया गया है तो उसे विनिर्माता से वसूल किया जाएगा और उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 11 अ के उपबंध उक्त वसूली के लिए यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे ;

(2) जहां सेनवेट प्रत्यय दोषपूर्ण तरीके से प्राप्त किया गया है या प्रयोग कर लिया गया है या गलती से प्रतिदाय किया गया है तो वह विनिर्माता से ब्याज सहित वसूल किया जाएगा और उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 11 अ और 11 अअ के उपबंध उक्त वसूली के लिए यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे,

17. जब्ती और शास्ति.- (1) यदि कोई व्यक्ति, इस अधिनियम के किसी उपबंधों के उल्लंघन में या दोषपूर्ण तरीके से निवेश के संबंध में सेनवेट प्रत्यय का उपयोग करता है या प्राप्त करता है, तब सभी माल जब्ती के लिए दायी होगा और वह व्यक्ति उत्पाद-शुल्क की धारा 11 क ग की उपधारा (1) का खंड (क) और खंड (ख) के अनुसार शास्ति के लिए दायी होगा।

(2) ऐसे मामले में, जहां निवेश के संबंध में केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय कपटपूर्वक, दुरभिसंधि या कोई गलत कथन, तथ्यों को छिपाना, या उत्पाद-शुल्क अधिनियम के किसी प्रावधानों के उल्लंघन या इन नियमों के अधीन शुल्क संदत्त करने से बचने के आशय से दोषपूर्ण तरीके से उपभोग किया जाता है या प्राप्त किया जाता है, तब विनिर्माता उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 11 क ग की उपधारा (1) के खंड (ग), खंड (घ) या खंड (ड.) के प्रावधानों के अंतर्गत शास्ति के लिए दायी होगा।

(3) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा उप नियम (1) और उपनियम (2) के अधीन जारी किए गए कोई भी आदेश प्राकृतिक न्याय से सिद्धांतों का अनुसरण करेगा।

18. साधारण शास्ति.- जो भी इन नियमों के उपबंधों का उल्लंघन करता है, जिसके लिए नियमों में किसी शास्ति का उपबंध नहीं है, तो वह पांच हजार रुपए तक की शास्ति के लिए दायी होगा।

19. कतिपय प्रकार के मामलों में निर्बंधन अधिरोपित करने की शक्ति.- इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, जहां केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय के दुरुपयोग, उस दुरुपयोग की प्रकृति और प्रकार व ऐसे ही अन्य कारक जो सुसंगत है, को ध्यान में रखते हुए उसकी यह राय है कि इस नियम में विनिर्दिष्ट केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय के प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकने के लिए, लोक हित में कतिपय उपायों का किया जाना आवश्यक है, जिसमें विनिर्माता रजिस्ट्रीकृत आयातकर्ता पर प्रतिबंध लगाना सम्मिलित है, कराधेय सेवा के प्रथम चरण और द्वितीय चरण व्यवहारी को राजपत्र में अधिसूचित किया जा सकेगा, विशिष्टित: प्रतिबंध की प्रकृति, केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय के उपभोग का निलंबन और

आयातकर्ता के मामले में रजिस्ट्रीकरण का निलंबन शामिल है या व्यवहारी और सुविधाओं को वापस लेना, या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का प्रधान मुख्य आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का मुख्य आयुक्त, जैसा भी हो, द्वारा जारी किया गया कोई आदेश।

स्पष्टीकरण – इस नियम के उद्देश्यों के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रत्येक प्रस्ताव भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में, अधिसूचना संख्या 05/ 2012 सी ई (एन.टी), तारीख 12 मार्च, 2012 द्वारा प्रकाशित किए गए थे, वह एक विशिष्ट प्रक्रिया से प्रारंभ होगा और संख्या सा.का.नि. 140 (अ), तारीख 12 मार्च, 2012, जो लंबित है, इस नियम के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार माना जाएगा और उसके अनुसार निर्णीत किया जाएगा।

20. अनुपूरक उपबंध :- (1) केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के अधीन कोई अधिसूचना, परिपत्र, अनुदेश, स्थायी आदेश, व्यापार सूचना या अन्य आदेश केन्द्रीय सरकार द्वारा, जारी किया गया है, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा-शुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का प्रधान मुख्य आयुक्त, या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का मुख्य आयुक्त, यथास्थिति, इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन जारी किए गए और वैध समझे गए, इन नियमों के विस्तार तक और संगत है, आरंभ से लागू होंगे।

(2) केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 में कोई नियम, अधिसूचना, परिपत्र, अनुदेश, स्थायी आदेश, व्यापार सूचना या अन्य आदेश का संदर्भ और उसका कोई उपबंध, इस नियम के आरंभ से केन्द्रीय मूल्य वर्द्धित कर प्रत्यय नियम, 2017 और उसके अनुपूरक उपबंधों के संदर्भ से अर्थ लगाया जाएगा।

[फा. सं. 267/22/2017-सी एक्स-8]

रोहन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 2017

No. 20 /2017-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 734(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and in supersession of the CENVAT Credit Rules, 2004, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title, extent and commencement.—(1) These rules may be called the CENVAT Credit Rules, 2017.

(2) They extend to the whole of India.

(3) They shall come into force on the 1st day of July, 2017.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

(a) "Customs Tariff Act" means the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);

(b) "electronic credit ledger" means the electronic credit ledger referred to in sub-section (46) of section 2 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017);

(c) "Excise Act" means the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);

(d) "exempted goods" means excisable goods which are exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon, and includes goods which are chargeable to "Nil" rate of duty;

(e) "final products" means excisable goods manufactured or produced from input;

(f) "first stage dealer" means a dealer, who purchases the goods directly from,-

(i) the manufacturer under the cover of an invoice issued in terms of the provisions of Central Excise Rules, 2017 or from the depot of the said manufacturer, or from premises of the consignment agent of the said manufacturer or from any other premises from where the goods are sold by or on behalf of the said manufacturer, under cover of an invoice; or

(ii) an importer or from the depot of an importer or from the premises of the consignment agent of the importer, under cover of an invoice;

(g) "input" means excisable goods used in the factory by the manufacturer of the final product but excludes high speed diesel oil or motor spirit, commonly known as petrol;

(h) "job work" means processing or working upon of raw material or semi-finished goods supplied to the job worker, so as to complete a part or whole of the process resulting in the manufacture or finishing of an article or any operation which is essential for aforesaid process and the expression "job worker" shall be construed accordingly;

(i) "notification" means the notification published in the Official Gazette;

(j) "person" means the person referred to in sub-section (84) of section 2 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017);

(k) "place of removal" means-

(i) a factory or any other place or premises of production or manufacture of the excisable goods;

(ii) a warehouse or any other place or premises wherein the excisable goods have been permitted to be deposited without payment of duty;

(iii) a depot, premises of a consignment agent or any other place or premises from where the excisable goods are to be sold after their clearance from the factory, from where such goods are removed;

(l) "second stage dealer" means a dealer who purchases the goods from a first stage dealer;

(2) The words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Excise Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Excise Act.

3. CENVAT credit.—(1) A manufacturer or producer of final products shall be allowed to take credit (hereinafter referred to as the CENVAT credit) of –

(a) the duty of excise specified in the Fourth Schedule to the Excise Act, as leviable under the said Act,

(b) the National Calamity Contingent duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001);

(c) the additional duty leviable under Section 3 of the Customs Tariff Act, equivalent to the duty of excise as specified under clauses (a) and (b);

(d) the additional duty leviable under sub-section (5) of section 3 of the Customs Tariff Act;

(e) the additional duty of excise leviable under Section 85 of Finance Act, 2005 (18 of 2005)

paid on-

any input received in the factory of manufacture of final product on or after the 1st day of July, 2017 including the said duties paid on any input used in the manufacture of intermediate products, by a job-worker availing the benefit of exemption specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 214/86- Central Excise, dated the 25th March, 1986, published in the Gazette of India vide number G.S.R. 547(E), dated the 25th March, 1986, and received by the manufacturer for use in, or in relation to, the manufacture of final product, on or after the 1st day of July, 2017.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the manufacturer or producer of final products shall be allowed to take CENVAT credit of the duty paid on inputs lying in stock or in process or inputs contained in the final products lying in stock on the date on which any goods manufactured by the said manufacturer or producer cease to be exempted goods or any goods become excisable.

(3) The CENVAT credit may be utilised for payment of –

(a) any duty of excise on any final product; or

(b) an amount equal to CENVAT credit taken on inputs if such inputs are removed as such or after being partially processed; or

(c) an amount under sub rule (2) of rule 15 of Central Excise Rules, 2017:

Provided that while paying duty of excise, the CENVAT credit shall be utilized only to the extent such credit is available on the last day of the month or quarter, as the case may be, for payment of duty relating to that month or the quarter, as the case may be:

Provided also that the CENVAT credit of any duty specified in sub-rule (1), except the National Calamity Contingent duty under clause (b) thereof, shall not be utilised for payment of the National Calamity Contingent duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001):

Provided also that the CENVAT credit of any duty mentioned in sub-rule (1), other than credit of additional duty of excise leviable under section 85 of Finance Act, 2005 (18 of 2005), shall not be utilised for payment of said additional duty of excise on final products.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) and sub-rule (3), CENVAT credit in respect of –

(i) the National Calamity Contingent duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001);

(ii) the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, equivalent to the duty of excise specified under item (i) above;

(iii) the additional duty of excise leviable under section 85 of Finance Act, 2005 (18 of 2005),

shall be utilised towards payment of duty of excise under the said National Calamity Contingent duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001), or the additional duty of excise leviable under section 85 of Finance Act, 2005 (18 of 2005) respectively, on any final products manufactured by the manufacturer or for payment of such duty on inputs themselves, if such inputs are removed as such or after being partially processed.

4. CENVAT credit in certain cases.—(1) When inputs on which CENVAT credit has been taken, are removed as such from the factory, the manufacturer of the final products shall pay an amount equal to the credit availed in respect of such inputs and such removal shall be made under the cover of an invoice referred to in rule 11.

(2) If the value of any input, on which CENVAT credit has been taken is written off fully or partially or where any provision to write off fully or partially has been made in the books of account then the manufacturer shall pay an amount equivalent to the CENVAT credit taken in respect of the said input:

Provided that if the said input is subsequently used in the manufacture of final products, the manufacturer shall be entitled to take the credit of the amount equivalent to the CENVAT credit paid earlier subject to the other provisions of these rules.

(3) Where on any goods manufactured or produced by an assessee, the payment of duty is ordered to be remitted under rule 17 of the Central Excise Rules, 2017, the CENVAT credit taken on the inputs used in the manufacture or production of said goods shall be reversed.

Explanation 1.— The amount payable under sub-rules (1), (2) and (3), unless specified otherwise, shall be paid by the manufacturer of goods by debiting the CENVAT credit or otherwise on or before the 5th day of the following month except for the month of March, where such payment shall be made on or before the 31st day of the month of March.

Explanation 2.— If the manufacturer of goods fails to pay the amount payable under sub-rules (1), (2) and (3), it shall be recovered, in the manner as provided in rule 16, for recovery of CENVAT credit wrongly taken and utilised.

(4) The amount paid under sub-rule (1) shall be eligible as CENVAT credit as if, it was a duty paid by the person who removed such goods under sub-rule (1).

5. CENVAT credit in exemption cases.—Where the provisions of any other rule or notification provide for grant of whole or part exemption on condition of non-availability of credit of duty paid on any input, if the credit of duty paid on input is availed, the reversal of such credit after clearance of the goods (after the due date for payment of duty on such goods) shall render the manufacturer eligible for the exemption.

6. Conditions for allowing CENVAT credit.—(1) The CENVAT credit in respect of inputs may be taken immediately on receipt of the inputs in the factory of the manufacturer or in the premises of the job worker, in case goods are sent directly to the job worker on the direction of the manufacturer:

Provided that the manufacturer shall not take CENVAT credit after one year of the date of issue of any of the documents specified in sub- rule (1) of rule 11.

(2) (a) The CENVAT credit on inputs shall be allowed even if any inputs as such or after being partially processed are sent to a job worker and from there subsequently sent to another job worker and likewise, for further processing, testing, repairing, re-conditioning or for the manufacture of intermediate goods necessary for the manufacture of final products or any other purpose, and it is established from the records, challans or memos or any other document produced by the manufacturer taking the CENVAT credit that the inputs or the products produced therefrom are received back by the manufacturer, within one hundred and eighty days of their being sent from the factory:

Provided that credit shall also be allowed even if any inputs are directly sent to a job worker without their being first brought to the premises of the manufacturer, and in such a case, the period of one hundred and eighty days shall be counted from the date of receipt of the inputs by the job worker;

(b) if the inputs are not received back within the time specified under sub-clause (a) by the manufacturer, the manufacturer shall pay an amount equivalent to the CENVAT credit attributable to the inputs, by debiting the CENVAT credit or otherwise, but the manufacturer may take the CENVAT credit again when the inputs are received back in the factory.

(3) The Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the factory of the manufacturer of the final products who has sent the input or partially processed inputs outside his factory to a job-worker may, by an order, which shall be valid for three financial years, in respect of removal of such input or partially processed input, and subject to such conditions as he may impose in the interest of revenue including the manner in which duty, if leviable, is to be paid, allow final products to be cleared from the premises of the job-worker.

Explanation I.- The amount mentioned in this rule, unless specified otherwise, shall be paid by the manufacturer of goods by debiting the CENVAT credit or otherwise on or before the 5th day of the following month except for the month of March, when such payment shall be made on or before the 31st day of the month of March.

Explanation II. - If the manufacturer of goods fails to pay the amount payable under this rule, it shall be recovered, in the manner as provided in rule 16, for recovery of CENVAT credit wrongly taken.

Explanation III.- In case of a manufacturer who avails the exemption under a notification based on the value of clearances in a financial year, the expressions, "following month" and "month of March" occurring in Explanation I shall be read respectively as "following quarter" and "quarter ending with the month of March".

7. Refund of CENVAT Credit.—(1) A manufacturer who clears a final product or an intermediate product for export without payment of duty under bond or letter of undertaking, shall be allowed refund of CENVAT credit as determined by the following formula subject to procedure, safeguards, conditions and limitations, as may be specified by the Board by notification in the Official Gazette:

$$\text{Refund amount} = \frac{(\text{Export turnover of goods}) \times \text{Net CENVAT Credit}}{\text{Total turnover}}$$

Where,-

- (a) "Refund amount" means the maximum refund that is admissible;
- (b) "Net CENVAT credit" means total CENVAT credit availed on inputs by the manufacturer reduced by the amount reversed in terms of sub-rule (3) of rule 4, during the relevant period;
- (c) "Export turnover of goods" means the value of final products and intermediate products cleared during the relevant period and exported without payment of Central Excise duty under bond or letter of undertaking;
- (d) "Total turnover" means sum total of the value of –
 - (i) all excisable goods cleared during the relevant period including exempted goods, dutiable goods and excisable goods exported;
 - (ii) all inputs removed as such under sub-rule (1) of rule 4 against an invoice, during the period for which the claim is filed.

(2) No refund of credit shall be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties and Service Tax Drawback Rules, 1995, or claims rebate of duty under the Central Excise Rules, 2002 or Central Excise Rules, 2017, as the case may be, in respect of such duty.

Explanation 1. - For the purposes of this rule,

- (1) "export goods" means any goods which are to be taken out of India to a place outside India.
- (2) "relevant period" means the period for which the claim is filed.

8. Obligation of a manufacturer or producer of final products.—(1) The CENVAT credit shall not be allowed on such quantity of input as is used in or in relation to the manufacture of exempted goods and their clearance upto the place of removal and the credit not allowed shall be calculated and paid by the manufacturer, in terms of the provisions of sub-rule (2) or sub-rule (3), as the case may be.

Explanation 1.- For the purposes of this rule, exempted goods or final products as defined in clauses (d) and (e) of rule 2 shall include non-excisable goods cleared for a consideration from the factory.

Explanation 2.- Value of non-excisable goods for the purposes of this rule, shall be the invoice value and where such invoice value is not available, such value shall be determined by using reasonable means consistent with the principles of valuation contained in the Excise Act and the rules made there under.

(2) A manufacturer who exclusively manufactures exempted goods for their clearance upto the place of removal shall pay the whole amount of credit of input and shall, in effect, not be eligible for credit of any inputs.

(3) (a) A manufacturer who manufactures two classes of goods, namely :-

(i) non-exempted goods removed;

(ii) exempted goods removed,

shall follow any one of the following options applicable to him, namely :-

(i) pay an amount equal to six *per cent.* of value of the exempted goods subject to a maximum of the total of opening balance of the credit of input available at the beginning of the period to which the payment relates and the credit of input taken during that period; or

(ii) pay an amount as determined under sub-rule (4):

Provided that if any duty of excise is paid on the exempted goods, the same shall be reduced from the amount payable under clause (i):

Explanation 1.- If the manufacturer of goods avails any of the option under this sub-rule, he shall exercise such option for all exempted goods manufactured by him and such option shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year.

Explanation 2.- No CENVAT credit shall be taken on the duty paid on any goods that are not inputs.

Explanation 3.- For the purposes of this sub-rule and sub-rule (4),-

(a) "non-exempted goods removed" means the final products excluding exempted goods manufactured and cleared upto the place of removal;

(b) "exempted goods removed" means the exempted goods manufactured and cleared upto the place of removal;

(4) For determination of amount required to be paid under clause (ii) of sub-rule (3), the manufacturer of goods shall follow the following procedure and conditions, namely:-

(a) the manufacturer of goods shall intimate in writing to the Superintendent of Central Excise giving the following particulars, namely :-

(i) name, address and registration number of the manufacturer of goods;

(ii) date from which the option under this clause is exercised or proposed to be exercised;

(iii) description of inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of exempted goods removed and description of such exempted goods;

(iv) description of inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of non-exempted goods removed and description of such non-exempted goods removed;

(v) CENVAT credit of inputs lying in balance as on the date of exercising the option under this condition;

(b) the manufacturer of final products shall determine the credit required to be paid, out of this total credit of inputs taken during the month, denoted as 'T', in the following sequential steps and provisionally pay every month, the amounts determined under sub-clauses (i) and (iv), namely:-

(i) the amount of CENVAT credit attributable to inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of exempted goods removed shall be called ineligible credit, denoted as 'A', and shall be paid;

(ii) the amount of CENVAT credit attributable to inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of non-exempted goods removed shall be called eligible credit, denoted as 'B', and shall not be required to be paid;

(iii) credit left after attribution of credit under sub-clauses (i) and (ii) shall be called common credit, denoted as 'C' and calculated as,-

$$C = T - (A + B);$$

Explanation.- Where the entire credit has been attributed under sub-clauses (i) and (ii), namely ineligible credit or eligible credit, there shall be left no common credit for further attribution.

(iv) the amount of common credit attributable towards exempted goods removed shall be called ineligible common credit, denoted as D and calculated as follows and shall be paid, -

$$D = (E/F) \times C;$$

where E is the sum total of value of exempted goods removed, during the preceding financial year;

where F is the sum total of -

- (a) value of non-exempted goods removed, and
- (b) value of exempted goods removed, during the preceding financial year:

Provided that where no final products were manufactured in the preceding financial year, the CENVAT credit attributable to ineligible common credit shall be deemed to be fifty *per cent.* of the common credit;

- (v) remainder of the common credit shall be called eligible common credit and denoted as G, where,-

$$G = C - D;$$

Explanation.- For the removal of doubts, it is hereby declared that out of the total credit 'T', which is sum total of A, B, D, and G, the manufacturer shall be able to attribute provisionally and retain credit of B and G, namely, eligible credit and eligible common credit and shall provisionally pay the amount of credit of A and D, namely, ineligible credit and ineligible common credit;

- (vi) where manufacturer fails to pay the amount determined under sub-clause (i) or sub-clause (iv), he shall be liable to pay the interest from the due date of payment till the date of payment of such amount, at the rate of fifteen *per cent.* per annum;

- (c) the manufacturer shall determine the amount of CENVAT credit attributable to exempted goods removed for the whole of financial year, out of the total credit denoted as 'T' (Annual) taken during the whole of financial year in the following manner, namely :-

- (i) the CENVAT credit attributable to inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of exempted goods removed on the basis of inputs actually so used during the financial year, shall be called Annual ineligible credit and denoted as A (Annual);

- (ii) the CENVAT credit attributable to inputs used exclusively in or in relation to the manufacture of non-exempted goods removed on the basis of inputs actually so used shall be called Annual eligible credit and denoted as B (Annual);

- (iii) common credit left for further attribution shall be denoted as C(Annual) and calculated as, -

$$C(\text{Annual}) = T(\text{Annual}) - [A(\text{Annual}) + B(\text{Annual})];$$

- (iv) common credit attributable towards exempted goods removed shall be called Annual ineligible common credit, denoted by D(Annual) and shall be calculated as, -

$$D(\text{Annual}) = (H/I) \times C(\text{Annual});$$

where H is sum total of value of exempted goods removed during the financial year;

where I is sum total of -

- (a) value of non-exempted goods removed; and
- (b) value of exempted goods removed;

during the financial year;

- (d) the manufacturer shall pay on or before the 30th June of the succeeding financial year, an amount equal to difference between the total of the amount of Annual ineligible credit and Annual ineligible common credit and the aggregate amount of ineligible credit and ineligible common credit for the period of whole year, namely:-

$[\{A(\text{Annual}) + D(\text{Annual})\} - \{(A+D) \text{ aggregated for the whole year}\}]$, where the former of the two amounts is greater than the later;

- (e) where the amount under clause (d) is not paid by the 30th June of the succeeding financial year, the manufacturer of goods, shall, in addition to the amount of credit so paid under clause (d), be liable to pay on such amount an interest at the rate of fifteen *per cent.* per annum, from the 30th June of the succeeding financial year till the date of payment of such amount;

- (f) the manufacturer, shall at the end of the financial year, take credit of amount equal to difference between the total of the amount of the aggregate of ineligible credit and ineligible common credit paid during the whole year and the total of the amount of annual ineligible credit and annual ineligible common credit, namely, $[\{(A+D) \text{ aggregated for the whole year}\} - \{A(\text{Annual}) + D(\text{Annual})\}]$, where the former of the two amounts is greater than the later;

- (g) the manufacturer of the goods shall intimate to the jurisdictional Superintendent of Central Excise, within a period of fifteen days from the date of payment or adjustment, as per the provisions of clauses (d), (e) and (f), the following particulars, namely :-

- (i) details of credit attributed towards eligible credit, ineligible credit, eligible common credit and ineligible common credit, month-wise, for the whole financial year, determined as per the provisions of clause (b);
- (ii) CENVAT credit annually attributed to eligible credit, ineligible credit, eligible common credit and ineligible common credit for the whole of financial year, determined as per the provisions of clause (c);
- (iii) amount determined and paid as per the provisions of clause (d), if any, with the date of payment of the amount;
- (iv) interest payable and paid, if any, determined as per the provisions of clause (e); and
- (v) credit determined and taken as per the provisions of clause (f), if any, with the date of taking the credit.

(5) Where a manufacturer has failed to exercise the option under sub-rule (3) and follow the procedure provided under sub-rule (4), the Central Excise Officer competent to adjudicate a case based on amount of CENVAT credit involved, may allow such manufacturer to follow the procedure and pay the amount referred to in clause (ii) of sub-rule (3), calculated for each of the months, *mutatis-mutandis* in terms of clause (c) of sub-rule (4), with interest calculated at the rate of fifteen *per cent.* per annum from the due date for payment of amount for each of the month, till the date of payment thereof.

(6) Payment of an amount under sub-rule (3) shall be deemed to be CENVAT credit not taken for the purpose of an exemption notification wherein any exemption is granted on the condition that no CENVAT credit of inputs shall be taken.

Explanation I. - "Value" for the purpose of sub-rules (3) and (4) shall have the same meaning as assigned to it under section 3, 4 or 4A of the Excise Act, read with rules made thereunder;

Explanation II. - The amount mentioned in sub-rules (3) and (4), unless specified otherwise, shall be paid by the manufacturer of goods by debiting the CENVAT credit or otherwise on or before the 5th day of the following month except for the month of March, when such payment shall be made on or before the 31st day of the month of March.

Explanation III. - If the manufacturer of goods fails to pay the amount payable under sub-rules (3) and (4), it shall be recovered, in the manner as provided in rule 16, for recovery of CENVAT credit wrongly taken.

Explanation IV.- In case of a manufacturer who avails the exemption under a notification based on the value of clearances in a financial year, the expressions, "following month" and "month of March" occurring in sub-rules (3) and (4) shall be read respectively as "following quarter" and "quarter ending with the month of March".

(7) The provisions of sub-rules (1), (2) and (3) shall not be applicable in case the excisable goods removed without payment of duty are either-

- (i) cleared to a unit in a special economic zone or to a developer of a special economic zone for their authorised operations ; or
- (ii) cleared to a hundred *per cent.* export-oriented undertaking; or
- (iii) supplied to the United Nations or an international organisation for their official use or supplied to projects funded by them, on which exemption of duty is available under notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 108/95-Central Excise, dated the 28th August, 1995, number G. S R. 602(E), dated the 28th August, 1995; or
- (iv) supplied for the use of foreign diplomatic missions or consular missions or career consular offices or diplomatic agents in terms of the provisions of notification No. 12/2012-CE, dated the 17th March, 2012, number G.S.R. 163(E), dated the 17th March, 2012; or
- (v) cleared for export under bond in terms of the provisions of the Central Excise Rules, 2017.

9. Distribution of credit on inputs by warehouse of manufacturer.—(1) A manufacturer having one or more factories, shall be allowed to take credit on inputs received under the cover of an invoice issued by a warehouse of the said manufacturer, who receives inputs under cover of documents specified under Rule 11, towards the purchase of such inputs.

(2) The provisions of these rules or any other rules made under the Excise Act as applicable to a first stage dealer or a second stage dealer, shall, *mutatis mutandis*, apply to such warehouse of the manufacturer.

10. Storage of input outside the factory of the manufacturer.—The Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the factory of a manufacturer of the final products may, in exceptional circumstances having regard to the nature of the goods and shortage of storage space at the premises of such manufacturer, by an order, permit such manufacturer to store the input in respect of which CENVAT credit has been taken, outside such factory, subject to such limitations and conditions as he may specify:

Provided that where such input is not used in the manner specified in these rules for any reason whatsoever, the manufacturer of the final products shall pay an amount equal to the credit availed in respect of such input.

11. Documents and accounts.—(1) The CENVAT credit shall be taken by the manufacturer on the basis of any of the following documents, namely:—

(a) an invoice issued by—

(i) a manufacturer for clearance of —

(I) inputs from his factory or depot or from the premises of the consignment agent of the said manufacturer or from any other premises from where the goods are sold by or on behalf of the said manufacturer;

(II) inputs as such;

(ii) an importer;

(iii) an importer from his depot or from the premises of the consignment agent of the said importer if the said depot or the premises, as the case may be, is registered in terms of the provisions of Central Excise Rules, 2017;

(iv) a first stage dealer or a second stage dealer, as the case may be; or

(b) a supplementary invoice, issued by a manufacturer or importer of inputs in terms of the provisions of Central Excise Rules, 2017 from his factory or depot or from the premises of the consignment agent of the said manufacturer or importer or from any other premises from where the goods are sold by, or on behalf of, the said manufacturer or importer, in case additional amount of excise duties or additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, has been paid, except where the additional amount of duty became recoverable from the manufacturer or importer of inputs on account of any non-levy or short-levy by reason of fraud, collusion or any wilful misstatement or suppression of facts or contravention of any provisions of the Excise Act, or of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) or the rules made there under with intent to evade payment of duty.

Explanation. - For removal of doubts, it is clarified that supplementary invoice shall also include challan or any other similar document evidencing payment of additional amount of additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act; or

(c) a bill of entry; or

(d) a certificate issued by an appraiser of customs in respect of goods imported through a Foreign Post Office or an authorised Courier, registered with the Principal Commissioner of Customs or the Commissioner of Customs in-charge of the Customs airport, as the case may be:

Provided that the credit of additional duty of customs levied under sub-section (5) of section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) shall not be allowed if the invoice or the supplementary invoice, as the case may be, bears an indication to the effect that no credit of the said additional duty shall be admissible.

(2) No CENVAT credit under sub-rule (1) shall be taken unless all the particulars as prescribed under the Central Excise Rules, 2017 are contained in the said document:

Provided that if the said document does not contain all the particulars but contains the details of duty payable, description of the goods, assessable value, Central Excise registration number of the person issuing the invoice, name and address of the factory or warehouse or premises of first or second stage dealers, and the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, is satisfied that the goods covered by the said document have been received and accounted for in the books of the account of the receiver, he may allow the CENVAT credit.

(3) The CENVAT credit in respect of input purchased from a first stage dealer or second stage dealer shall be allowed only if such first stage dealer or second stage dealer, as the case may be, has maintained records indicating the fact that the input was supplied from the stock on which duty was paid by the producer of such input and only an amount of such duty on pro rata basis has been indicated in the invoice issued by him:

Provided that provisions of this sub-rule shall apply *mutatis mutandis* to an importer who issues an invoice on which CENVAT credit can be taken.

(4) The manufacturer of final products shall maintain proper records for the receipt, disposal, consumption and inventory of the input in which the relevant information regarding the value, duty paid, CENVAT credit taken and utilised, the person from whom the input have been procured is recorded and the burden of proof regarding the admissibility of the CENVAT credit shall lie upon the manufacturer taking such credit.

(5) The manufacturer of final products shall submit within ten days from the close of each month to the Superintendent of Central Excise, a monthly return in the form specified, by notification, by the Board:

Provided that where a manufacturer is availing exemption under a notification based on the value or quantity of clearances in a financial year, he shall file a quarterly return in the form specified, by notification, by the Board within ten days after the close of the quarter to which the return relates.

(6) A first stage dealer or a second stage dealer or a registered importer, as the case may be, shall submit within fifteen days from the close of each quarter of a year to the Superintendent of Central Excise, a return in the form specified, by notification, by the Board:

Provided that the first stage dealer or second stage dealer or a registered importer, as the case may be, shall submit the said return electronically.

12. Annual return.—(1) A manufacturer of final products shall submit to the Superintendent of Central Excise an annual return for each financial year, by the 30th day of November of the succeeding year, in the form as specified by a notification by the Board.

(2) The provisions of rule 12 of the Central Excise Rules, 2017, in so far as they relate to annual return shall, *mutatis-mutandis*, apply to the annual return required to be filed under this rule.

13. Transfer of CENVAT credit.—(1) If a manufacturer of the final products shifts his factory to another site or the factory is transferred on account of change in ownership or on account of sale, merger, amalgamation, lease or transfer of the factory to a joint venture with the specific provision for transfer of liabilities of such factory, then, the manufacturer shall be allowed to transfer the CENVAT credit lying unutilised in his accounts to such transferred, sold, merged, leased or amalgamated factory.

(2) The transfer of the CENVAT credit under sub-rule (1) shall be allowed only if the stock of inputs as such or in process, is also transferred along with the factory or business premises to the new site or ownership and the inputs, on which credit has been availed of are duly accounted for to the satisfaction of the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be.

(3) Subject to the provisions contained in sub-rule (2), the transfer of the CENVAT credit shall be allowed within a period of three months from the date of receipt of application by the Deputy Commissioner of Central Excise or Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be:

Provided that the period specified in this sub-rule may, on sufficient cause being shown and reasons to be recorded in writing, be extended by the Principal Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise, as the case may be, for a further period not exceeding six months.

14. Transfer of CENVAT credit of additional duty leviable under sub-section (5) of section 3 of the Customs Tariff Act.—(1) A manufacturer or producer of final products, having more than one registered premises, for each of which registration under the Central Excise Rules, 2017 has been obtained on the basis of a common Permanent Account Number under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), may transfer unutilised CENVAT credit of additional duty leviable under sub-section (5) of section 3 of the Customs Tariff Act, lying in balance with one of his registered premises at the end of a quarter, to his other registered premises by-

(i) making an entry for such transfer in the documents maintained under rule 11;

(ii) issuing a transfer challan containing registration number, name and address of the registered premises transferring the credit and receiving such credit, the amount of credit transferred and the particulars of such entry as mentioned in clause (i),

and such recipient premises may take CENVAT credit on the basis of the transfer challan.

(2) The manufacturer or producer shall submit the monthly return, as specified under these rules, separately in respect of transferring and recipient registered premises.

15. Transitional Provisions.—(1) A person registered under the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017) shall transfer the entire CENVAT credit available under the CENVAT Credit Rules, 2004 relating to the period ending with the day immediately preceding the 1st day of July, 2017 in his electronic credit ledger as per Chapter XX of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017) and the rules made thereunder, and any CENVAT credit which is not eligible for such transfer shall not be retained as CENVAT credit unless eligible under these rules.

(2)(a) Notwithstanding anything contained in these rules, a person registered under the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017), who was not required to register under the Excise Act shall be deemed to be in possession of a document evidencing payment of duty, if the manufacturer of the specified goods on which duty of Central Excise was leviable has issued a credit transfer document to him, in relation to such specified goods held in stock by him on 1st of July, 2017, for which he was not in a possession of invoice evidencing payment of duty.

(b) The credit transfer document under clause (a) shall be issued by the manufacturer of specified goods subject to such conditions, procedures and safeguards as may be notified by the Central Government.

Explanation.- "Specified goods" for the purpose of sub-rule (2) shall mean such goods which have a value more than rupees twenty five thousand per piece and bear the brand name of the manufacturer or the principal manufacturer and are identifiable by a distinct number such as chassis or engine number of a car.

16. Recovery of CENVAT credit wrongly taken or erroneously refunded.—(1) Where the CENVAT credit has been taken wrongly but not utilised, the same shall be recovered from the manufacturer, and the provisions of section 11A of the Excise Act shall apply *mutatis mutandis* for effecting such recoveries;

(2) Where the CENVAT credit has been taken and utilised wrongly or has been erroneously refunded, the same shall be recovered along with interest from the manufacturer and the provisions of sections 11A and 11AA of the Excise Act shall apply *mutatis mutandis* for effecting such recoveries.

17. Confiscation and penalty.—(1) If any person, takes or utilises CENVAT credit in respect of input, wrongly or in contravention of any of the provisions of these rules, then, all such goods shall be liable to confiscation and such person, shall be liable to a penalty in terms of clause (a) or clause (b) of sub-section (1) of section 11AC of the Excise Act.

(2) In a case, where the CENVAT credit in respect of input has been taken or utilised wrongly by reason of fraud, collusion or any wilful mis-statement or suppression of facts, or contravention of any of the provisions of the Excise Act, or of the rules made thereunder with intent to evade payment of duty, then, the manufacturer shall also be liable to pay penalty in terms of the provisions of clause (c), clause (d) or clause (e) of sub-section (1) of section 11AC of the Excise Act.

(3) Any order under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be issued by the Central Excise Officer following the principles of natural justice.

18. General penalty.—Whoever contravenes the provisions of these rules for which no penalty has been provided in the rules, he shall be liable to a penalty which may extend to five thousand rupees.

19. Power to impose restrictions in certain types of cases.—Notwithstanding anything contained in these rules, where the Central Government, having regard to the extent of misuse of CENVAT credit, nature and type of such misuse and such other factors as may be relevant, is of the opinion that in order to prevent the misuse of the provisions of CENVAT credit as specified in these rules, it is necessary in the public interest to provide for certain measures including restrictions on a manufacturer registered importer, first stage and second stage dealer provider of taxable service or an exporter, may by notification in the Official Gazette, specify the nature of restrictions including restrictions on utilisation of CENVAT credit and suspension of registration in case an importer or of a dealer and type of facilities to be withdrawn and procedure for issue of such order by the Principal Chief Commissioner of Central Excise or Chief Commissioner of Central Excise, as the case may be.

20. Supplementary provision.—(1) Any notification, circular, instruction, standing order, trade notice or other order issued under the CENVAT Credit Rules, 2004 by the Central Government, the Central Board of Excise and Customs, the Principal Chief Commissioner of Central Excise or Chief Commissioner of Central Excise, as the case may be or the Principal Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise, as the case may be, and in force at the commencement of these rules, shall, to the extent it is relevant and consistent with these rules, be deemed to be valid and issued under the corresponding provisions of these rules.

(2) References in any rule, notification, circular, instruction, standing order, trade notice or other order to the CENVAT Credit Rules, 2004 and any provision thereof, on the commencement of these rules, be construed as references to the CENVAT Credit Rules, 2017 and any corresponding provision thereof.

[F. No. 267/22/2017-CX.8]

ROHAN, Under Secy.